

जै श्री राम

श्री मैगसि चन्द्र की जै

श्री साई साहिब नाम माला

जै सतिगुर सुख दायन ,	जै गुर बाबल
श्रीसाकेत नाथ पठावन	जै गुर बाबल
बाबा रोचल के घर आवन	जै गुर बाबल
माता सुख देवी मोद बढ़ावन	जै गुर बाबल
स्वामी आत्माराम लियो गोदन	जै गुर बाबल
लखि गद गद बाल विनोदन	जै गुर बाबल
करे सन्त सजन आशीशन	जै गुर बाबल
दर्ई अमित कृपा बखशीशन	जै गुर बाबल
निर्मल नाम धरावन	जै गुर बाबल
जपत जपत हिय पावन	जै गुर बाबल
कोरियाणी दूध पियावन	जै गुर बाबल

भाई माजी करी संभालन
कोरियाणी मुरिशद आवन
करि दर्शन हिय हर्षावन
तब बोले वचन अमोलन

ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ
ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ
ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ
ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ

आए महा पुरुष तुव आंगन
किये बाल केल मन रंजन
झूले घास हिंडोलन
गुर सेवा चित लावन
कभी गोबर बीनन जावन
कभी पंखा हर्ष झुलावन
स्वामी आत्माराम मन भावन
सत् विद्या अध्यन करावन
श्रीराम कथा चित लावन
कभी मास्तर के ढिग आवन
श्रीरामायण गाइ सुवावन

[illegible]

भए आठ वर्ष मन भावन
जंगल जाय बसावन
जपु साहिब अर्थ विचारन
पी भंगड़ी रस सर सावन
बहु तीर्थन को अवलोकन
आए कोट कांगड़े हर्षन
मिले सतिगुर सन्त सुजानन
करी सेवा आपु भुलावन
श्री सतिगुर मोद बढ़ावन
प्रेम भगती वर पावन
बैठे राज सिंहासन

आठ पहर प्रभु ध्यावन ,

सब जग की आश भुलावन
कियो सत्संग को सुख स्रजन
बाबल

जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल

जै गुर बाबल

जै गुर बाबल
जै गुर

लगी हरीनाम धुनि गरिजन	जै गुर बाबल
मधुर भगति प्रघटावन	जै गुर बाबल
कियो सिंधु देश को पावन	जै गुर बाबल
आये द्वारिका धाम हुलासन	जै गुर बाबल
राणी रुकमणी कृपा कटाक्षन	जै गुर बाबल
भाई टहिलिया राम कियो संगन	जै गुर बाबल
सब तीर्थन को कियो दर्शन	जै गुर बाबल
दियो सतिगुर स्वपने दर्शन	जै गुर बाबल
मिले पृथ्वीअ इष्ट स्वरूपन	जै गुर बाबल
ले निज मस्तक धारन	जै गुर बाबल
पाये मन मोद अपारन	जै गुर बाबल
हरि भगती नदी बहावन	जै गुर बाबल
कियो कलियुग सतियुग वरितन	जै गुर बाबल
निज सेवक के हित कारन	जै गुर बाबल
बहु कामी कुटिल उधारन	जै गुर बाबल
शील सनेह उजागर	जै गुर बाबल

ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ
ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ
ਜੈ ਗੁਰ ਬਾਬਲ

[illegible]

कियो अमरेश्वर स्थापन
श्रीराम बाग सरसावन
कियो भण्डारो सब संतनि
दिया दान मान उत्साहन
आए बरसाने मन भावन
भयो रासलीला छबि दर्शन
चरण चिहिन प्रघटावन
निज सेवक सुख सरिसावन
किया परियलसिंह पर अनुग्रह
जिति किथि दास सहायक

मिठी अमड़ि के सुख दायक
निज नेह की रीति छिपावन
और संतनि के गुण गावन
भाई पीपाराम कियो पावन
सब छोड़ि जगत के फंदन

जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल

, जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल

भए बृजवासी सुख कंदन
पायो निज वृन्दावन दर्शन
जह बाल कृष्ण रस वर्षन
कियो सुख निवास को मंडन
जहँ विहरे नित नन्दन
जड़ चेतन किये सुखारी
भए दीननि के हितकारी
सब बृजवासी मन भावन
नीच ऊच को शीश नवावन
जहं जहं प्रभु पग धारन
तह होये बाग बहारन
नित रक्षक श्री नारायण
किये सगले विघ्न निवारन
मिले अखण्डानन्द मन भावन
करी सेवा आपु छिपावन
भई उड़िया सन्त मिताई

[illegible]

मिली सत्य विखंह सुहाई

जै गुर बाबल

जस शेष भी पार न पावन ,

जै गुर बाबल

श्री शारदा मति सकुचावन

जै गुर बाबल

कखं वारं वार आशीशन

जै गुर बाबल

सदा रक्षक श्री जगदीशन

जै गुर बाबल

सारे जग में जयड़ी पाई

जै गुर बाबल

माणी मंगल मोद बढ़ाई

जै गुर बाबल

शल जिंदुड़ी घोलि घुमायां

जै गुर बाबल

तवहां जो मिठिड़ो जसु नित गायां जै गुर बाबल

थियां जन्म जन्म में चेरी

जै गुर बाबल

कयां सिक सां सेव घनेरी

जै गुर बाबल

तवहां जो राखो अवठरदानी

जै गुर बाबल

सदा संग सहाय भवानी

जै गुर बाबल

गुर नानक नदरि निहाला

जै गुर बाबल

तव राज भाग नित बाला

जै गुर बाबल

तवहां जो जन्म जन्म जसु गायां
इहा मन मुराद शल पायां
तवहां जी जुग जुग जयड़ी मनायां
इहा गुर कृपा मति पायां
जयति जयति गुर बाबल
धन्य धन्य गुर बाबल

जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल
जै गुर बाबल